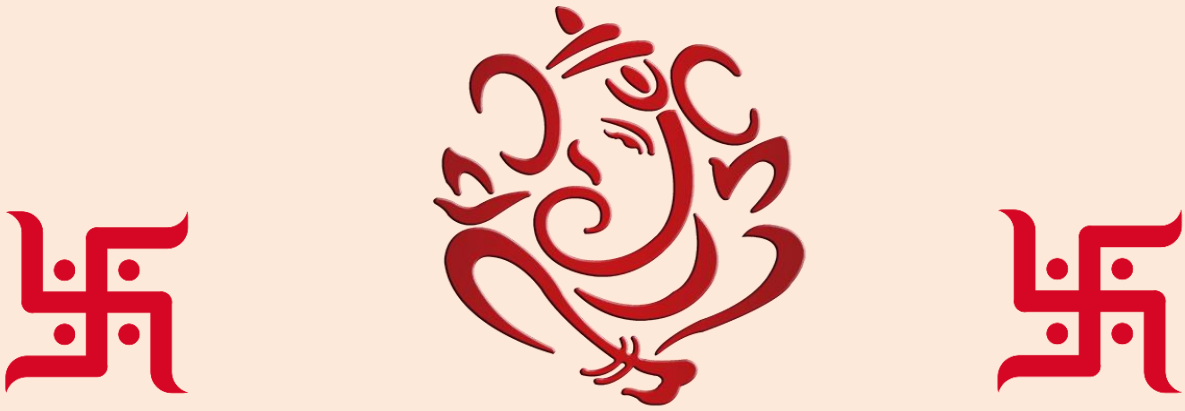

|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त **ज्योतिष** परामर्श

Website : https://JyotishShastra.com
Email : care@jyotishshastra.com
Horoscope Web Link : https://JyotishShastra.com/horoscope
WhatsApp Direct Link : https://wa.me/919520039039

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Preeti	GENDER :	Female
DATE OF BIRTH :	11 / 03 / 1988	TIME OF BIRTH :	09:25:00 AM
CITY :	Mumbai	STATE :	Maharashtra
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Ask A Question (Prashna Kundli)
QUESTION(S) :	im married in April 2016. my question is about having a child. i already had a miscarraige once. please tell me when can i have a child. also how many children will i have. is there any problem in this regards? if there what are the remedies.		
Mobile No. : 7350560797		Email ID : pilwalkar.preeti@gmail.com	
ORDER ID : #1070	PAYMENT ID : 290967265	AMOUNT : ₹524	
Order Date : 16/12/2019		Delivery Date : 22/12/2019	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	मेष
चंद्र राशि :	वृश्चिक
ईष्ट देव :	गणेश जी

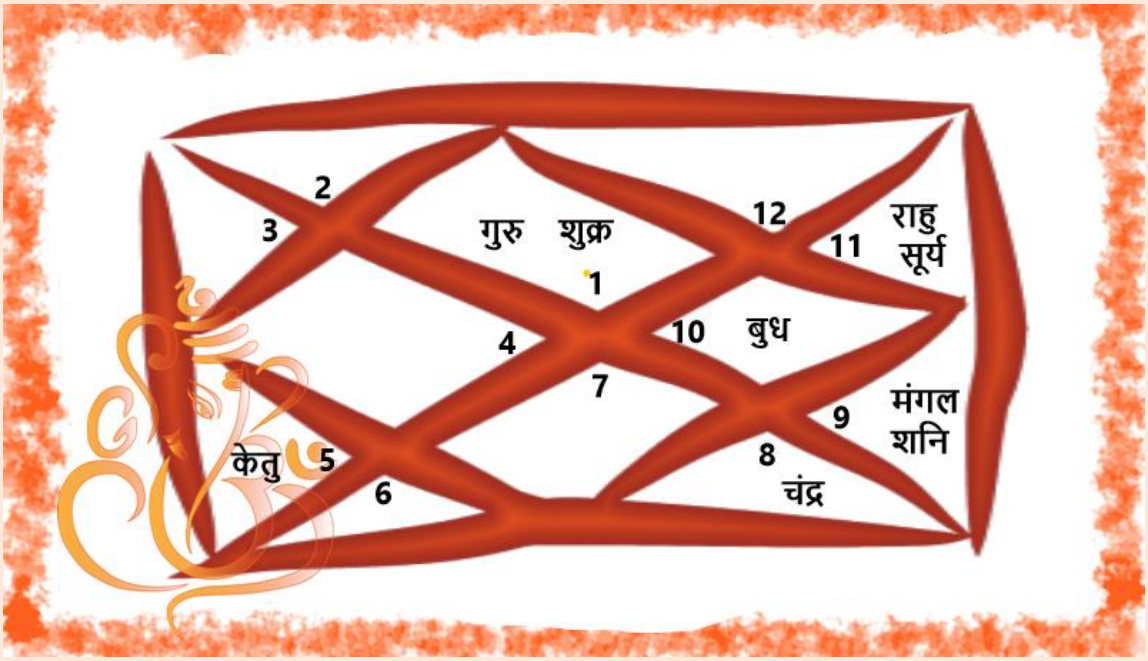

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

श्रीमती प्रीति जी, आपके द्वारा अपनी जन्म कुंडली में संतान के विषय में प्रश्न पूछने पर आपकी कुंडली का गहन विश्लेषण करने के उपरान्त आपको बतलाना चाहूंगा कि पंचम भाव अर्थात संतान भाव अर्थात पंचम भाव में केतु की स्थिति अच्छी फलदायी नहीं है, केतु सिंह राशि में स्थित है एवं एकादश भाव में स्थित राहु व सूर्य से दृष्टिगत है | आपकी कुंडली में इस कारण ग्रहण योग बन रहा है जो संतान प्राप्ति में बाधक है व अवरोध उत्पन्न कर रहा है | केतु व राहु के पंचम भाव से सम्बन्ध होने के कारण गर्भपात होंगे इसकी पूर्ण संभावना आपकी कुंडली में स्थित है | पंचम भाव में केतु की अच्छी व् शुभ स्थिति पांच संतान होने का योग प्रदान करती है जिसमें पुत्र संतान कम व पुत्री संतान अपेक्षाकृत अधिक होती है | पंचम भाव में केतु की स्थिति व राहु की दृष्टि आपके पेट के भाग को कमजोर बनाती है इसी कारण आपको गर्भ ठहरने में समस्या उत्पन्न हो रही है | संतान प्राप्ति के पश्चात संतान में कुछ विकृति हो इसकी भी संभावना आपकी कुंडली दर्शाती है | आपके पति का स्वास्थ्य यदि बार बार बिगड़ता रहता है तो यह भी आपकी कुंडली में केतु का अशुभ होना दर्शाता है | यदि ऐसा है तो इस अवस्था में जब तक आपके पति का स्वास्थ्य भी सही रूप से स्थिर नहीं रहेगा तब तक आपको गर्भधारण करना हितकारी नहीं होगा |

यह फलादेश देना कि आपको संतान प्राप्ति होगी अथवा नहीं आपके पति की जन्म कुंडली पर भी निर्भर करता है, कि उनकी कुंडली में संतान प्राप्ति के योग कितने क्षीण अथवा प्रबल हैं |

भाग्य भाव में शनि के साथ मंगल की स्थिति भाग्य में अशुभता के प्रभाव को बढ़ाती है | भाग्य का फल मिलने में देरी, द्वन्द की स्थिति उत्पन्न करती है | पति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार रखें उनसे लड़ें झगडे नहीं | कभी अपने सम्बन्ध विच्छेद की न सोचें ऐसा करना आपके जीवन को नारकीय स्थिति तक ले जायेगा |

यहां मैं आपको ज्योतिष एवं कर्म के सम्बन्ध में कुछ समझाना चाहूंगा | ज्योतिष पूर्णतया वैज्ञानिक एवं कर्म प्रधान है | ज्योतिष में कर्म को भाग्य से अधिक प्रधानता दी गई है | कर्मों से ही भाग्य बनता बिगड़ता है | ज्योतिष की सहायता से हम किसी जातक की कुंडली में अपने लक्ष्य प्राप्ति में आ रही बाधाओं को उचित उपायों के माध्यम से दूर कर सकते हैं | उपाय एक प्रकार से ईश्वर के चरणों में प्रार्थना पत्र की तरह कार्य करते हैं | हमारा कार्य है कर्म करना, फल देने का कार्य ईश्वर का है | वह कब हमारे द्वारा की गई प्रार्थना को स्वीकार कर हमें फल प्रदान करेंगे यह उनपर निर्भर करता है | अतः हम ज्योतिष के दिशानिर्देशन अनुसार साकारात्मक कर्म कर अपने जीवन में आ रही बाधाओं को दूर करने हेतु प्रयास कर सकते हैं |

संतान भाव पर सूर्य की दृष्टि एवं पंचम भाव में सिंह राशि जो की सूर्य की अपनी राशि है, आपकी संतान प्राप्ति की कामना को कुछ बल प्रदान करती है व एक आशा की किरण उत्पन्न करती है | आपकी कुंडली का विश्लेषण करने पर यह निष्कर्ष निकलता है की संतान प्राप्ति हेतु आपको केतु, राहु एवं शनि की शान्ति के साथ-साथ सूर्य देव को भी प्रसन्न करने सम्बंधित उपाय अपना उद्देश्य प्राप्त हेतु करने लाभकारी सिद्ध होंगे |

अभी वर्तमान में आपकी जन्म कुंडली अनुसार शुक्र ग्रह की महादशा चल रही है जो 27.07.2023 तक रहेगी इस अवधि में संतान प्राप्ति के योग हैं एवं तत्पश्चात सूर्य ग्रह की महादशा आरम्भ होगी जो पांच वर्ष चलेगी इस अवधि में भी आपको संतान प्राप्ति होने की संभावना बनती है |

इस बार गर्भ धारण से पूर्व यह सुनिश्चित करें की आपके पति का स्वास्थ्य अच्छा होकर स्थिर रहे | आपके पति का स्वास्थ्य यदि अच्छा रहता है तो संतान प्राप्ति की संभावना आपकी कुंडली अनुसार अधिक प्रबल रहती है | दूसरा, आप दोनों पति - पत्नी मिलकर पहले एक साथ 40 दिन निरंतर सूर्य देव को अर्घ दें व आदित्य ह्रदय स्तोत्र का पाठ करें तत्पश्चात संतान प्राप्ति हेतु प्रयास करें |

विशेष उपाय :-

♦ प्रातः सूर्योदय से पूर्व स्नान आदि से निवृत होकर सूर्य उदय होने से पूर्व, पूर्वमुखी होकर लाल रंग के आसान पर घर की छत्त अथवा खुले स्थान पर बैठ कर सूर्य आदित्य स्तोत्र का पाठ आरम्भ इस प्रकार करें कि सूर्योदय से पूर्व प्रारम्भ होकर सूर्योदय के पश्चात समाप्त हो | तत्पश्चात लोटे (ताम्बे) के जल में शक्कर डालकर सूर्य को अर्घ दें |

♦ स्नान करने के उपरान्त अपने गर्भ के स्थान पर (पेट का भाग) पर शुद्ध सरसों के तेल की भली प्रकार से मालिश करें व आपके पति को चाहिए कि वे अपनी नाभि पर सरसों के शुद्ध तेल को लगाएं तत्पश्चात ही सूर्य देव कि उपासना करने हेतु उनके सम्मुख बैठें | (प्रार्थना विधि दिए गए लिंक पर जाकर पढ़ें :-

https://jyotishshastra.com/jyotish/vedic-parashar/surya-argh-prabhaavi-pracheen-vedic-vidhi-in-hindi-oldest-effective-method-to-give-sun-water-astrology

♦ गर्भ धारण करने से पूर्व दोनों पति - पत्नी मिलकर पहले एक साथ 40 दिन निरंतर सूर्य देव को अर्घ दें व आदित्य ह्रदय स्तोत्र का पाठ करें तत्पश्चात संतान प्राप्ति हेतु प्रयास आरम्भ करें | 40 दिन निरंतर सूर्य देव की प्रार्थना करने के उपरान्त भी संतान प्राप्ति होने तक यह क्रम निरंतर जारी रखें |

♦ संतान प्राप्ति हेतु प्रयास रात्रि अथवा दिन के समय में न कर, प्रातः सूर्योदय से पूर्व की बेला (ब्रह्म महूर्त) में करें | प्रयास के पश्चात आप कुछ समय तक उठें अथवा बैठें नहीं, लेटी रहे |

♦ गणेशजी का निरंतर पूजन सिन्दूर का टीका लगाकर व दूब घांस उनके चरणों में अर्पित कर करें | गणेश जी को लाल सिन्दूर व दूब अति प्रिय है | गणेश जी संतान प्राप्ति में आ रही बाधाओं को दूर करेंगे | गणेश अटूटी के पश्चात "ॐ गं गणपतये नमः" मन्त्र का 108 बार जाप करें अथवा बिना मंत्र गिने जितना संभव हो जाप करें |

♦ संध्या के समय सूर्य देव के अस्त होने के पश्चात घर के नैऋत्य कोण (दक्षिण - पश्चिम दिशा वाले भाग) में तिल के तेल का दीपक नियमित जलाएं व पितरों से क्षमा याचना करते हुए अपने वंश संतति में वृद्धि की कामना करें |

♦ बड़े बुजुर्गों की निस्वार्थ सेवा करें | उनके साथ अच्छी प्रकार व्यवहार करें |

♦ बाहरी कुत्ते को (काला - सफ़ेद हो तो अति उत्तम) प्रतिदिन रात्रि के भोजन स्वरुप रोटी को दूध में भिगोकर व उस पर शक्कर अथवा मधु अथवा चीनी लगाकर दें | किसी भी कुत्ते को कभी भी न तो दुत्कारें अथवा न ही मारें | प्रेम पूर्वक पुचकार कर रखें |

♦ कभी-कभी शनिवार को देशी शराब का पऊआ अथवा अद्धा किसी मजदूर अथवा सेवक को दें |

♦ किसी गरीब बूढ़े जरूरतमंद को शनिवार के दिन काले जूते अथवा छाता दें | ऐसा महीने दो महीने में अक्सर करते रहे |

♦ काला सफ़ेद कम्बल किसी जरूरतमंद को दें अथवा धर्म स्थान में दान करें |

♦ शिव मंदिर में नियमित जाएँ व शिवजी पर बेलपत्र व धतूरे के फूल चढ़ाएं

♦ बुधवार अथवा शनिवार के दिन बादाम लेकर अपने ईष्ट अथवा धर्म स्थान जाएँ, आधे बादाम चढ़कर आधे घर वापिस ले आएं व अपने पास किसी कपडे में बांधकर प्रसाद स्वरुप रख लें |

♦ राहु, केतु, शनि की शांति हेतु निम्न मंत्र का प्रतिदिन संध्या के समय जितना संभव हो सके जाप करें, प्रतिदिन न कर पाने की स्थिति में शनिवार की संध्या को अवश्य ही करें :-

शनैश्चर नमस्तुभ्यं नमस्तेतवथ राहवे।

केतवेथ नमस्तुभ्यं सर्वशांति प्रदो भाव।।

ॐ ऊर्ध्वकायं महाघोरं चंडादित्यविमर्दनम्।

सिहिंकाया: सुतं रौद्रं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।

ॐ पातालधूम संकाशं ताराग्रहविमर्दनम्।

रौद्रां रौद्रात्मकं क्रूरं तं केतु प्रणमाम्यहम्।।

ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो

नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

डिस्क्लेमर :- कुंडली विवेचना एवं प्रदत्त परामर्श पूर्णतया आपके द्वारा उपलब्ध कराये गए दिवस, समय एवं स्थान पर आधारित हैं | उपलब्ध दिवस, समय एवं स्थान भिन्न होने पर प्रस्तुत विवेचना एवं परामर्श परिवर्तित हो जायेगा जो आपके जीवन घटनाचक्र से भिन्न होगा |

— — — — — — — — — — — —